वंदे मातरम्

राष्ट्र सेविका समिति

:: प्रधान कार्यालय ::

देवी अहल्या मंदिर, धंतोली, नागपूर - 440012

दूरभाष : 0712-2442097 फॅक्स : 0712-2423852

वार्ता

वर्ष : 19 अंक : 51 युगाब्द 5119 दिनांक : 12.03.2017

"नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ प्रेरणा अंक"

प्रेरणा शिविर प्रवेश द्वार

शिविर उद्घाटन समारोह

स्वागत द्वार पर अतिथियों का स्वागत

मंच पर प्रमुख संचालिका के साथ मा. निवेदिता भिड़े एवं
गोवा की राज्यपाल मा. श्रीमती मृदुला सिन्हा जी

पू. मा. मोहन जी भागवत द्वारा प्रेरणाञ्जली पत्रिका विमोचन

मा. सुमित्रा ताई महाजन के साथ अन्य वक्ता

उद्घाटन कार्यक्रम का विहंगम दृश्य
प्रांतीय मंगल वेशभूषा में कार्यकर्ता

चाणक्य नाटक का एक दृश्य

प्रदर्शनी का अवलोकन करती सेविकाएं

गणगीत प्रस्तुत करती प्रांत की सेविकाएं

प्रेरणा शिविर

समिति कार्य के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली के छतरपुर में 11, 12, 13 नवम्बर को अखिल भारतीय प्रेरणा शिविर का आयोजन किया गया। वं. मौसी जी द्वारा प्रारंभ किये गये त्रैवार्षिक सम्मेलन का यह नूतन परिवेष था। इस शिविर में देश के 39 प्रांतों से और विश्व के 4 प्रदेशों से 2011 सेविकाएं सहभागी हुईं। इस शिविर के अनुशासन, भव्य दीव्य सुशोभन एवं व्यवस्थापन से सभी आयी हुईं कार्यकर्ता बहनें एवं आए हुए अतिथि अत्यधिक प्रभावित हुये।

- इस शिविर में उपस्थित होने वाले कार्यकर्ताओं में 43 डॉक्टर, 35 अधिवक्ता, 71 प्राध्यापक, 241 शिक्षिका, 794 गृहणियां तथा 517 अन्य सेविकाएं थीं। 310 प्रबंधिकाओं ने संपूर्ण शिविर का कुशलता से व्यवस्थापन एवं प्रबंधन कार्य किया।
- शिविर में प्रश्न मंजुषा, गण गीत एवं गणसमता का आयोजन प्रथम बार ही हुआ था। सभी प्रांत की सेविकाओं ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिता में भाग लेकर शिविर स्थान पर नई ऊर्जा का संचार किया। इन प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सेविकाएं अपने प्रांत में समय-समय पर एकत्रित होने के कारण आत्मियता एवं संगठन दृढ़ होने में इसका लाभ हुआ।
- प्रेरणा दीप में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत राष्ट्रभिमानी बहनों का सम्मान करते हुए उनका परिचय भी हमें प्राप्त हुआ और उनके कार्यों के अनुभवों ने हमें प्रेरक नयी दिशा दी।
- उद्घाटन कार्यक्रम में प्रांतीय वेशभूषा में आयी हुईं सभी बहनों का भारत में अनेकता में एकात्म स्वरूप का मोहक दर्शन सभी ने किया।

शिविर के कुछ विशिष्ट अनुभव :

1. यात्रा पर निकलने के दिन ही 1000/-, 500/- की नोटबंदी ने सबको सक्ते में डाल दिया परन्तु ईश्वरीय कार्य होने के कारण यहां भी सहयोग के हाथ आगे आये और किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं हुई।
2. इतने बड़े कार्यक्रम में चप्पलों के लिये की गई योजना के कारण किसी की भी चप्पल गुमी नहीं।
3. मंच के दोनों ओर स्क्रीन की व्यवस्था होने के कारण सभी को मंचीय कार्यक्रम अच्छे से देखने को मिला।
4. चाणक्य नाटक का मंचन प्रभाव पूर्ण रहा।
5. उत्कृष्ट बौद्धिक सुनने को मिले, मा. निवेदिता भिड़े का कार्यकता यह विषय सभी को प्रेरणा दे गया। मा. सुमित्रा महाजन का बौद्धिक प्रेरणादायी रहा।
6. पूज्यनीय मोहन जी भागवत के साथ दायित्वशः बैठक अत्यंत प्रेरणादायी रही।
7. 23 देशों में प्रेरणा शिविर का सकारात्मक वृत्त छपा।
8. समापन कार्यक्रम में फोटो खींचने वाली क्रेन अचानक सेविकाओं के बीच गिरी, ईश्वर कृपा से किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई।
9. गोवा की राज्यपाल मा. श्रीमती मृदुला सिन्हा जी, श्री जयंत मुनि जी, लोकसभा स्पीकर मा. श्रीमती सुमित्रा महाजन, सरसंघचालक श्री मोहन भागवतजी, मा. निवेदिता भिड़े एवं अनेक स्वागत समिति की गणमान्य बहनों की उपस्थिति ने शिविर की गरिमा को द्विगुणित कर दिया।
10. सायंकाल का दीप प्रज्जवलन तथा प्रतियोगिता में विजयी समूह को दीप देने की कल्पना सभी को प्रभावित कर गयी।

इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेरणा शिविर सभी को प्रेरणा दे गया।

समिति के 80 वर्ष

'विविध कार्यक्रम-विविध छटाएं'

1. पश्चिम महाराष्ट्र के पुणे महानगर में शिविर में सहभागी न होने वाली स्थानीय बहनों ने तीन स्थानों पर विभागशः 4 घण्टों का एकत्रिकरण आयोजित किया एवं प्रेरणा शिविर जैसी ही प्रतियोगिताएं ली गई।
2. होलसल प्रांत के शिवमोगा जिले में जनवरी 2017 में शाखा टोली के जिलास्तर पर ध्वज सुशोभन, गणगीत, प्रश्न मंजुषा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
3. कोकण प्रांत में 80 स्थानों पर एक दिन निर्धारित समय पर शाखा लगाने की योजना 18 सितम्बर 2016 को की गई। 94 स्थानों पर योजना का क्रियान्वयन हुआ।
4. नाशिक में विशेष सामाजिक कार्य करने वाली स्थानीय 80 महिलाओं का सम्मान किया गया।
5. छत्तीसगढ़ प्रांत के बिलासपुर में 80 वर्ष की सेविका बहनें जो कार्यरत हैं, उनका सम्मान 80 कार्यकर्ता दम्पत्तियों की उपस्थिति में किया गया, जिसमें समर्पिता इस छोटी सी परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम गरिमामय रहा।

80 वर्ष की कार्यरत् सेविकाओं का सम्मान बिलासपुर (छ.ग.)

6. हुबली कर्नाटक में 80 महिलाओं ने कुंकुमार्चन में भाग लिया। 80 कुमारिका पूजन किया गया। गुलबर्ग के सेण्डम में 80 दिन नित्य शाखालगी।

   प्रेरणा शिविर संपन्न होने के पश्चात् प्रेरणा लेकर 9 जिलों में 4 स्थानों पर प्रेरणा शिविर लिये, जिसमें प्रश्न मंजुषा, गणगीत स्पर्धा, अखण्ड भारत का मानचित्र अलंकरण इत्यादि प्रतियोगिताएं रखी। वर्गों में 90 से 140 तक उपस्थिति रही।

   नोटबंदी के दौरान बैंक कर्मचारियों ने अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभाया, ग्राहकों के साथ उनका व्यवहार अच्छा रहा, अतः ब्लॉक में उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।
7. महाकौशल एवं मध्य भारत में वं. प्रमुख संचालिका की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुए। महाकौशल के 4 विभागों में जबलपुर, सतना, सागर एवं छिंदवाड़ा में वं. प्रमुख संचालिका जी का प्रवास रहा, जिसमें कार्यकर्ताओं के साथ कार्य विस्तार एवं शाखादृढ़ीकरण पर विचार मंथन हुआ। छिंदवाड़ा में नगर की 6 शाखाओं की गणवेश शाखा एकत्रिकरण में 135 बहनें उपस्थित थीं। महाविद्यालयीन तरूणियों का एक दिवसीय शिविर 26 जनवरी से 30 जनवरी प्रातः तक संपन्न हुआ।

   समरसता विषय को लेकर प्रांत में 6 स्थानों पर समरसता भोज मिलन उत्सव इन कार्यक्रमों के माध्यम से हुआ।

   मध्यभारत के खरगोन जिले में गणवेशधारी सेविकाओं का एकत्रिकरण वं. प्रमुख संचालिका जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।
8. राजस्थान के भिलवाड़ा में पथ संचलन वहां की गृहणियों ने किया। 15 दिनों तक अभ्यास किया। ध्वज अग्रेसरिका सिर पर पल्ला लेकर पूरे समय रहीं।
9. नाशिक में 6 साल की सेविका ने प्रार्थना बताई।

समिति अर्द्धवार्षिक बैठक

राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय कार्यकारिणी एवं प्रतिनिधि मण्डल की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक माघ पूर्णिमा से कृष्ण प्रतिपदा द्वितीया तक अर्थात् 10 से 12 फरवरी तक संपन्न हुई। हमारी अस्मिता का प्रतीक जिसे 16 बार आक्रमण कर ध्वस्त किये जाने के बाद भी जिसकी अक्षुण्णता बनी रही तथा स्वाधीनता प्राप्ति के तुरन्त पश्चात् जिसका पुर्ननिर्माण किया गया ऐसे 12 ज्योतिर्लिंग में से एक श्री क्षेत्र सोरटी सोमनाथ के पावन सानिध्य में वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विविध प्रांतों से 62 प्रतिनिधि बहनें इस बैठक में सम्मिलित हुईं। इस बैठक का बोध वाक्य था -

धर्मे प्रीति सन्मति राष्ट्रभक्ति

सत संगामिम् देही मुक्तिं च शक्तिम्

प्रारंभ में प्रमुख कार्यवाहिका मा. सीताजी द्वारा जुलाई अर्द्धवार्षिक बैठक का अहवाल पढ़ा गया। इसके पश्चात जेष्ठ श्रेष्ठ निवर्तमान कार्यकर्ताओं को भावभिनी श्रद्धांजलि दी गई। दो दिनों तक विभिन्न बैठकों के माध्यम से विभिन्न कार्य योजनाएं बनाई गई। बैठक के समापन में वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी के उद्बोधक मार्गदर्शन का मूल बिंदु था-बने हम नीलकंठ।

उद्बोधन

आज रवि के कुंभ संक्रमण का दिन है। संक्रांति अर्थात् सम्यम क्रांति। हम भी अपने सम्यक आचार-विचार से एवं व्यवहार से परिवार एवं समाज में सम्यक परिवर्तन लाएं।

सोमनाथ यह भगवान शिव का क्षेत्र है। हमें यही संदेश देता है कि भगवान की सभी इंद्रिया कार्यक्षम् है परन्तु वे उनकी इच्छाओं में आसक्त नहीं है। अपनी क्षमताओं का अनावश्यक प्रदर्शन भी वे नहीं करते। सभी के कल्याण हेतु वे विषप्राशन करते हैं परन्तु उसका प्रभाव स्वयं पर नहीं होने देते। हम भी वैसे ही बने। विषप्राशन के कारण उनका कण्ठ नीला हुआ, अतः वे नीलकण्ठ तथा विषकण्ठ कहलाते हैं। यही कार्यकर्ता की विशेषता है और यही आध्यात्म है। अपने गुणों का अनावश्यक प्रदर्शन न करते हुए विष सदृश्य बाधाओं से प्रभावित न होते हुए अपने राष्ट्र कल्याणकारी कार्य में हुम जुट जाएं। श्रीमद्भगवत् गीता के 13वें अध्याय का 14वां श्लोक इस दृष्टि से प्रेरक है-

सर्वेन्द्रियम् गुणा भासं, सर्वेंद्रिय विवर्जितम्

असक्तं सर्वभृच्चेव निर्गुणं गुण भोक्तृच

बड़े कार्यक्रमों का आयोजन हम इसी दृष्टि से करते है। कुशलता विकास के साथ ही कार्यनिष्ठा एवं विश्वास बढ़ता है। निरपेक्ष भाव से राष्ट्र कार्य के लिए जुट जाना, यही प्रेरणा लेकर हम कार्य क्षेत्र में जाकर कार्य करें यही अपेक्षा सबसे करती हूँ।

भगिनी निवेदिता सार्धशति कार्यक्रम

1. 28.10.2016 को भगिनी निवेदिता सार्धशति वर्ष प्रारंभ हुआ। 28 जनवरी 1898 को वे प्रथम ही भारत में आई थीं अतः 28.01.2017 को कोलकाता में एक भव्य कार्यक्रम लिया गया।
2. उत्तरप्रदेश में भगिनी निवेदिता सार्धशती के अवसर पर अलीगढ़ में युवति सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें 450 बहनें उपस्थित थीं।
3. उत्तर आसाम प्रांत में 3 फरवरी 2017 को गुवाहाटी के रामदिया ग्राम में वं. लक्ष्मीबाई केळकर स्मारक समिति के सौजन्य से भगिनी निवेदिता स्वदेश प्रकल्प प्रेरणा सांस्कृतिक केन्द्र प्रारंभ हुआ, जिसमें हेण्डलूम और अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार किया जावेगा। साथ ही 12 जनवरी नेशनल युथ डे में प्रांत में 7 स्थानों पर अलग-अलग कार्यक्रम लिये गये।

हमें गर्व है इन पर.....गौरव पुरस्कार

भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद (मुंबई ठाणे) पुरस्कार वितरण समारोह

भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद की ओर से पुरस्कार वितरण समारोह श्री राम नानीवडेकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस समय का वं. लक्ष्मीबाई केळकर पुरस्कार महाराष्ट्र की सेवा भावी समिति की प्रचारिका मा. कुंदाताई फाटक को तथा वं. सरस्वती ताई आपटे सेवा पुरस्कार बिलासपुर की मां. सुश्री सुलभाताई देशपाण्डे, सचिव तेजस्वी सेवा प्रतिष्ठान तथा राष्ट्रसेविका समिति की सहकार्यवाहिका को दिया गया। उसी प्रकार स्व.मा. बकुलताई सेवा निधि 'आपल घर' इस संस्था के संस्थापक श्री यशवंत पळनीटकर को दिया गया। कार्यक्रम वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

विवेकानन्द केंद्र की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा सुश्री निवेदिता भिड़े को भारत का पद्मश्री पुरस्कार मिलने से राष्ट्र सेविका समिति की सभी बहनें गर्व अनुभव कर रही है। समिति की सभी बहनों की ओर से हार्दिक अभिनंदन...

रानी माँ गाइदिल्यु सम्मान कार्यक्रम देवी अहिल्या मंदिर धन्तोली में 17 फरवरी 2017 को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में कर्नल सुनिल देशपाण्डे (संस्थापक अध्यक्ष प्रहार-समाज जागृति संस्था) उपस्थित थे। यह सम्मान कार्यक्रम विगत वर्ष से प्रारंभ हुआ है जो वीर स्वतंत्रता सेनानी रानी मां गाइदिल्यु की स्मृति में दिया जाता है। इस वर्ष यह सम्मान वीर पत्नि डॉ. अर्चना रत्नाकर कलम्बे जलालखेड़ा को मिला है। आप कारगील युद्ध में शहीद स्व. श्री रत्नाकर कलम्बे की पत्नि हैं। वे 2001 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे तब आपके विवाह को मात्र 2 वर्ष हुए थे एवं आपकी बेटी छोटी थी। डॉ. अर्चना ने साहस के साथ इन परिस्थितियों का सामना किया। प्रथम अपनी पढ़ाई पूरी कर डाक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की। श्री रत्नाकर जी के नाम से एक विद्यालय आप चला रही हैं। साथ ही महिला सुरक्षा समिति इस संस्था की आप अध्यक्ष हैं। टीन एजर्स लड़कियां जो गलत कदम उठाने पर भटक जाती हैं उन्हें उनके परिवार से मिलाने का कार्य आप करती हैं। अभी तक आपने 15 लड़कियों को परिवार में वापस लाया है। आपकी स्वयं की बेटी मेडिकल में पढ़ रही है। आप जैसी वीर माता को हम सबका शत-शत नमन्...।

मा. श्रीमती निर्मलाताई गोखले

जीवेदः शरदः शतम्

वं. मौसीजी के समय की उनसे प्रतिज्ञा ली हुई समिति की सेविका मा. श्रीमती निर्मला श्रीकृष्ण गोखले इस वर्ष 90 वर्ष की हो गई है। मा. प्रमिलाताई मेढ़े एवं वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का एवं प्रमुख कार्यवाहिका मा. सीताजी उनके जन्मदिन कार्यक्रम में उपस्थित रही एवं शॉल श्रीफल से उनका सम्मान किया। आप विवाह के पूर्व से ही रत्नागिरी की सेविका थी। श्री किसनराव गोखले ने 7 वर्ष प्रचारक जीवन जीने का संकल्प लिया था। पांच वर्ष ही पूर्ण हुए थे तब परिवार के आग्रह के कारण उनका विवाह हो गया। परन्तु निर्मला ताई के आग्रह के कारण विवाह के बाद बचे हुए दो वर्ष आपने प्रचारक के रूप में दिये। विवाह के बाद आप धारवाड़ आईं। पूना के सम्मेलन में वं. मौसीजी से प्रेरणा लेकर वापस आई तो आपके काम ने तूफानी गति पकड़ ली। सारे कर्नाटक में प्रवास कर समिति कार्य का परिचय दिया। भाषा कहीं भी आड़े नहीं आई और धारवाड़ में प्रथम बार ही 100 सेविकाओं का वर्ग लिया। रोहिणी ताई गाडगीळ बेलगांव में गीत प्रमुख थीं, उनके साथ मिलकर कन्नड़ गीत सीखा। इस वर्ग में प्रथम बार मा. रूकमिणी आक्का भी आई थीं। आप 1975 तक कर्नाटक प्रांत की कार्यवाहिका रही। मौसीजी ने उन्हें **''गृहस्थ प्रचारिका''** की उपाधि दी थी। 1975 में इमरजेंसी के वक्त आपके पति बेटी-बेटा सब जेल गए थे, फिर भी न घबराते हुए सब परिवारों में जाकर सांत्वना देती थी तथा उस समय भी आपने सिमोगा के सागर में तथा बागल कोटा के कोप्प में समिति शिविर लिये। आप राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका मा. अल्का इनामदार की माता जी हैं। ऐसी हमारी समिति की जेष्ठ श्रेष्ठ सेविका को शतशः नमन्..जीवेदः शरदः शतम्

'भारतमाता पूजन'

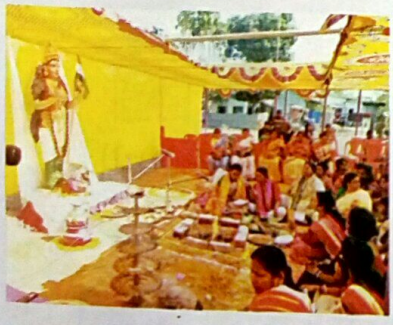

अगरतला त्रिपुरा के सीमावर्ती क्षेत्र अखवारा में 26 जनवरी 2017 को त्रिपुरा की मातृशक्ति ने भारतमाता पूजन का कार्यक्रम किया। जिसमें 'विश्व कल्याण हवन' के कार्यक्रम में CPM के विरोध के बावजूद 350 महिलाएं उपस्थित थीं। विशेषतः इस कार्यक्रम में 2 शहीद परिवार जो हरिजन परिवार से थे, कार्यक्रम में उपस्थित थे। (शहीद शंभु-सतमुड़ा एवं शहीद चितरंजन डेब बर्मा) इस कार्यक्रम में लगभग 1500 लोग भारतमाता दर्शन के लिये आए। शहीद परिवार की एक बेटी ने कहा कि मेरे भाई ने जिस भारतमाता के लिये बलिदान दिया उसके पूजन का कार्यक्रम मैं अपने जीवन में पहलीबार देख रहीं हूँ। यह पूजा देखकर मुझे अंदर से समाधान हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में सेविकाओं ने राष्ट्र भक्ति गीत गाकर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। सीमावर्ती क्षेत्र में अपने आप में यह अनोखा एवं भव्य कार्यक्रम था।

विश्व विभाग समिति वृत्त

1. यूके के संघ कार्य को 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 से 31 जुलाई 16 तक सांस्कृतिक महाशिविर संपन्न हुआ। मा. भाग्यश्री साठे इस शिविर में सम्मिलित हुईं थीं।
2. नेपाल में समिति का अभ्यासवर्ग संपन्न हुआ, जिसमें 10 बहनें सम्मिलित थीं। इस वर्ग में मा. सुनिता हल्देळरजी उपस्थित थीं।

विश्व विभाग केनिया वर्ग वृत्त

उद्घाटन-कार्यक्रम

समापन-कार्यक्रम

2016 में समिति विश्व विभाग का द्वितीय वर्ष का वर्ग भारत के बाहर केनिया नौरोबी में संपन्न हुआ। नौरोबी में समिति कार्य बहुत पुराना है। विश्व विभाग में कुछ देशों में समिति की शाखाएं स्वतंत्र रूप से लगती है। उसमें केनिया एक है। वर्ग पटेल समुदाय के प्रिमिक एकेडॅमी प्रायमरी स्कूल में 15 दिसम्बर को प्रारंभ हुआ। यह वर्ग दक्षिण गोलार्ध के लिये ही था अर्थात् दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया तथा दक्षिण एशिया से शिविरार्थी उपस्थित थे। तदनुसार न्यूजीलैण्ड से 1, आस्ट्रेलिया से 3, सुरीनाम से 3 और केनिया से 15, इस प्रकार कुल 22 शिविरार्थी उपस्थित थे। इस वर्ग में वर्ग सर्वाधिकारी के नाते अमेरिका की नेशनल सेविका प्रमुख मा. अंजली पटेल उपस्थित थीं वर्ग का घोष वाक्य था - Vbunto ! इस स्वाहिली शब्द का अर्थ है - 'मैं हूँ क्योंकि हम हैं' अर्थात् समाज के अस्तित्व के कारण ही मेरा अस्तित्व है। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी ने दीप प्रज्वलित कर वर्ग का औपचारिक उद्घाटन किया। सभी सेविकाओं ने अपने हाथों को हरे रंग से रंगाकर वृक्ष को हराभरा कर दिया। इस शिविर में मा. अलका इनामदार पूरे समय तक थीं। शिक्षिका के रूप में भारत से कु. विभावरी तारे (महाराष्ट्र), स्वाती बाजपेई (गुजरात) एवं कु. पूजा (मध्यभारत) इस वर्ग में उपस्थित थी। इस वर्ग में हर चार दिन बाद नौरोबी की कुछ विशेष महिलाओं को वर्ग दर्शन हेतु बुलाया गया था। एक दिन शालेय शिक्षिकाएं, एक दिन बाल गोकुलम के बच्चों की माताओं को और एक दिन 'भारत वाले' इस संस्था के सदस्यों को बुलाया था। सारे गटों में स्थानिक स्वाहिली महिलाएं भी थीं। 23 दिसम्बर को दोनों वर्गों का सांघिक संचलन हुआ। घोष में आनक, तालवाद्य तथा वंशी में सेविकाओं की सहभागिता थीं।

दिनांक 29 दिसम्बर को वर्ग समापन समारोह साथ में ही था। योगासन व्यायाम योग, प्रदक्षिणा एवं मानवन्दना संघ शिक्षार्थियों के साथ ही हुए। सेविकाओं ने नियुद्ध, योगचाप एवं ध्वजसंचलन के प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किये। सारे प्रात्यक्षिक अनुशासन बद्ध सुनियोजित और प्रभावी रहे। 30 दिसम्बर को प्रातः दीक्षान्त समारोह में प्रतिनिधिक अनुभव कथन का कार्यक्रम हुआ तथा सभी शिक्षार्थी वर्ग से प्रेरणा लेकर अपने-अपने स्थान पर गए।

वर्ग विशेषताएं :

1. दीक्षान्त में केनिया की हिन्दु सेविका समिति की घोषणा हुई, जिसमें 6 सेविकाओं की टोली बनाई गई।
2. वर्ग से प्रेरणा लेकर आस्ट्रेलिया की कु. श्रावणी चिण्डकीनी ने अपने नर्सिंग शिक्षण से एक वर्ष का अंतराल लेकर विस्तारिका के नाते देने का निर्णय लिया।
3. इस वर्ष पहली बार संघ शिक्षा वर्ग में विश्व विभाग समिति अधिकारियों को बौद्धिक के लिए बुलाया गया। जिसमें मा. शान्ता आक्का ने 'संघशक्ति विजेत्रियम' इस विषय पर और मा. अल्का इनामदार का 'हिंदुओं का इतिहास वैदिक काल से आज तक' इस विषय पर हुआ।

प्रकाशन विभाग

1. प्रेरणा शिविर में प्रेरणांजली अंक का विमोचन सरसंघचालक पू. श्री मोहन जी भागवत के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।
2. गुजराती त्रैमासिक पत्रिका आराधना अब मासिक पत्रिका के रूप में प्रकाशित होगी। महामहिम राज्यपाल श्री ओ.पी.कोहली एवं वं. प्रमुख संचालिका जी मा. शान्ता आक्का जी द्वारा इस पत्रिका का लोकार्पण 19.11.2016 को हुआ।
3. देश रक्षा परम पुण्यं इस मध्यवर्ती कल्पना पर आधारित दिनदिर्शका का लोकार्पण मुंबई के भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद में 'आपल घर' पुणे संस्था के संस्थापक श्री यशवंत पळनीटकर द्वारा दिनांक 22.01.2017 को किया गया।
4. अखिल भारतीय अर्धवार्षिक बैठक के अवसर पर पाकेट दैनिकी एवं स्वर निनाद इस मासिक पत्रिका का विमोचन मा. शान्ता आक्काजी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

केरल में हिंसा

विगत कुछ महिनों से केरल में वामपंथियों द्वारा संघ स्वयंसेवकों की लगातार हत्याएं की जा रही है। अत्यन्त क्रूरतापूर्ण की जाने वाली हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हम सब जानते हैं कि कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य शासन की होती है किंतु केरल में योजनाबद्ध रूप से होने वाली इस नृशंस हत्याओं को शायद राज्य शासन का अप्रत्यक्ष समर्थन है।

इस विषय को लेकर 1 मार्च को संपूर्ण भारत में आंदोलन किया जाना है, भारत के सभी जिलों में जनसुरक्षा प्रतिनिधि महामहिम राष्ट्रपति को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन देंगे, साथ ही धरना एवं विरोध प्रदर्शन कर सामान्य नागरिकों को भी जागृत किया जावेगा। हमारे ही देश में हम कितने असुरक्षित हैं, इससे यह विदित होता है।

धार्मिक विभाग

दिनांक 26.02.2017 को धार्मिक विभाग की बहनों का कुरूक्षेत्र में वनविहार कार्यक्रम हुआ। खेल, गीत, चर्चा इत्यादि कार्यक्रम लिये, विशेषकर वहां बैठी कुछ वृद्ध महिलाएं भी सम्मिलित हो गई, बाद में सभी बहनों ने अपने अनुभव बताए कि आज हमें फिर से अपने बचपन की याद आ गई।

अखिल भारतीय प्रतिष्ठान बैठक

अखिल भारतीय प्रतिष्ठान बैठक दिनांक 21-22 जनवरी को भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद ठाणे (मुंबई) में संपन्न हुई। पूरे भारत में 52 प्रतिष्ठान है, जिसमें इस वर्ष दो और नए प्रतिष्ठान जुड़ गए। इस प्रकार कुल प्रतिष्ठानों की संख्या 54 हो गई। बैठक में कुल 27 प्रतिष्ठान उपस्थित थे।

8 प्रतिष्ठानों ने अपना वृत्त निवेदन पी.पी.टी. के द्वारा प्रस्तुत किया।

बैठक में इस वर्ष राष्ट्रीय बाल आयोग दिल्ली के दो सदस्य मार्गदर्शन हेतु उपस्थित थे-

1. **प्रियंकजी कानूनगो** - आप मूलतः म.प्र. के विदिशा के रहने वाले हैं, आपने शिक्षा का अधिकार इस विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।
2. **श्री यशवन्त जी जैन** - आप मूलतः छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। आपने जे.जे.एक्ट के नियमों की संपूर्ण जानकारी दी। बालिकागृह के नियमों की विस्तृत जानकारी दी।
3. इस बैठक में यू.के. की कार्यवाहिका **मा. डॉ. विदुलाताई आम्बेकर** उपस्थित थीं। आपका समिति कार्य की दृष्टि से यू.के. में व्यापक संपर्क है। आपने खेल के माध्यम से संगठन कौशल एवं व्यवस्थापन इस विषय को प्रत्यक्ष खेल लेकर रूचिकर माध्यम से सबको समझाया।

बैठक का समापन वं. प्रमुख संचालिका **मा.शान्ता आक्का जी** के मागदर्शन से हुआ।

बैठक में **मा. प्रमिलाताईजी मेढ़े** (पूर्व प्रमुख संचालिका), **मा. सीताजी** (प्रमुख कार्यवाहिका), **मा. रेखाताईजी राजे** (सहकार्यवाहिका) एवं **मा. सुलभाताईजी देशपाण्डे** (सहकार्यवाहिका) तथा सेवाप्रमुख **मा. संध्याताईजी टिपरे** पूर्ण समय उपस्थित थीं।

व. सरस्वती बाई आपटे (ताई जी)

स्मृति दिवस 9 मार्च

सेवा दिन

सरस्वति नमस्तुभ्यं मातृरूपिणि वत्सले
स्मरामो दिव्यचरितं आत्मसामर्थ्यवृद्धये ॥
मस्तके हिमखण्डं च जिव्हाग्रे मधुशर्करा
एतद् मन्त्रं विजानीयात् रत्नाभरणमुज्जवलम्॥
यस्याः ही सेवा सम्पत्तिः वृत्तिर्जनसुखकारिणी
विनायकस्य वीरजायां ताई नित्यं स्मरामः॥
मातृवत् स्नेहात्सल्यं राष्ट्र कार्यार्थ जीवनम्
सरस्वति नमस्तुभ्यं सेविका प्रेरणा स्त्रवम् ॥

शिविर समापन समारोह

मंचस्थ अतिथियों के साथ वं. प्रमुख संचालिका

समापन कार्यक्रम में दीपा मलिक को दीप भेंट करते हुए

समापन कार्यक्रम में केंद्रिय अधिकारी

शिविर में आई गणमान्य स्वागत समिति की बहनें

पताका योग करती सेविकाएं

मैदान में घोषगण

प्रार्थना करती जेष्ठ सेविकाएं

प्रश्न मंच का पारितोषक लेते हुए सेविका बहनें

मा. श्री रामभाऊ हल्देकरजी

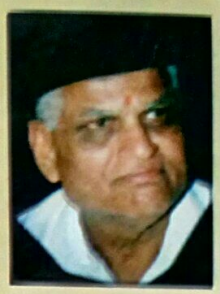

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जेष्ठ प्रचारक श्री रामभाऊ हल्देकर जी का निधन हैदराबाद में दिनांक 23.02.2017 को हुआ। आप मूलतः औरंगाबाद के थे। शिक्षा ग्रहण करने हैदराबाद आए और यहीं से आपने 1956 से प्रचारक जीवन प्रारंभ किया। अलग-अलग दायित्वों का निर्वहन करते हुए विभाग प्रचारक सह प्रांत प्रचारक, क्षेत्र प्रचारक का दायित्व निभाते हुए दायित्व मुक्त हुए, लेकिन कार्यमुक्त नहीं हुए। अनेक मराठी पत्रिकाओं का प्रकाशन आपने किया। पू. डॉ. जी एवं पू. गुरूजी के चरित्र का तेलगू में आपने अनुवाद किया। आप मा. सुनिता ताई हल्देकर राष्ट्र सेविका समिति, अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख के चाचा थे। आपने अनेक प्रचारकों को प्रेरित कर कार्य के लिए निकाला। आपके प्रति राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाएं श्रद्धांजलि समर्पित करती हैं...।

हम इनको कैसे भूलें...

राष्ट्रसेविका समिति की समस्त सेविका बहनों को विनम्र श्रद्धांजलि...

1. **मा. पद्माताई चाफेकर :** आप तलेगांव दाभाडे की रहने वाली, आपने आयु के उत्तरार्ध में ब्रेल लिपि में अनेक पुस्तकें टाईप की। बालिकाओं के सशक्तिकरण तथा स्वावलंबन के लिये सतत प्रयासरत रही।
2. **स्वामिनी सीताराम जी :** आप हिमाचल प्रदेश की सन्यासिनी। आपका समिति से आत्मीय संबंध रहा।
3. **मा. कमलाताई पांढरी पाण्डे :** आप भंडारा पूर्व विभाग कार्यवाहिका तथा स्व. इंदिराबाई सूबेदार प्रतिष्ठान की शिल्पकार रही हैं।
4. **शैलाताई धुले :** वर्धा के अष्टभुजा मंदिर की आप सेविका थी। अपने ममत्वपूर्ण व्यवहार के कारण सेविकाओं एवं विस्तारिकाओं की मातृस्वरूप मार्गदर्शक रही है।
5. **मा. कुसुमताई अयाचित :** वं. मौसीजी की जन्मशताब्दी में मराठी प्रदर्शनी के साथ आपने पूरे महाराष्ट्र में प्रवास किया। आप एक निष्ठावान सेविका थीं।
6. **श्रीमती उषा पोळ :** आप जबलपुर निवासी महाकौशल प्रांत की अनेक वर्षों तक निधि प्रमुख रहीं। आपने मौसीजी से समिति कार्य की प्रतिज्ञा ली थी।
7. **अंजली दास गुप्ता :** आप असम प्रांत के श्री गौरी में खण्ड कार्यवाहिका थीं।
8. **जयंती बेन मेहता :** अपने प्रामाणिक व्यवहार के लिये प्रसिद्ध श्रेष्ठ सांसद।
9. **श्री सूर्यनारायण जी :** आप संघ के ज्येष्ठ प्रचारक रहे। पूर्व के अखिल भारतीय सेवा प्रमुख तथा मा. रूक्मिणी आक्का के भाई थे। आपने तमिलनाडू में संघ कार्य का विस्तार किया। आप स्वामी विवेकानंद के चरित्र के गहन अध्येता थे।
10. **श्री कमलाकर जी डोनगांवकर :** संघ के महाकौशल प्रांत के ज्येष्ठ प्रचारक तथा समिति कार्य में सहयोग देने वाले ज्येष्ठ भ्राता थे।

इन सभी को राष्ट्रसेविका समिति की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। इसके साथ ही वीर मरण प्राप्त करने वाले सेनाधिकारियों शहीद सैनिकों एवं प्राकृतिक आपदाओं में हताहत अन्य सभी लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि।

नववर्ष की शुभकामनाएं...

नवीन वर्ष की नवप्रभात से, नई प्रेरणा लेकर जाएं

सकारात्म ले सोच हृदय में, जीवन को निज गढ़ते जाएं

भारत के हर प्रान्त ग्राम में, भगवत् ध्वज अपना फहराएं

वैभव के इस मानबिंदु की, रक्षा का व्रत हम अपनाएं।

प्रिंटेड मेटर बुक-पोस्ट

नाम .....

पता .....

.....

.....

पिनकोड ..... मो. .....